फरवरी, 2017 - तेल ताड़ खेती के प्रबंधन के लिए सुझाव

- तेलताद खेती में सिफारिस कि उर्वराखों को साल में चार बराबर हिसों में बंटकर देना चाहिए।

- तेल ताड़ कि खेती में खरपतवारों से साफ़ थाले में वृक्ष के आधार से लगभग 50 सेंटीमीटर दूर अवशोषक जड़ों के पास छितराकर उर्वरक देने चाहिए ! उर्वरक को पांचे द्वारा मिट्टी में अच्छी तरह मिला दे ! उर्वरक देने के तुरंत बाद वृक्ष की सिंचाई करें।

- नई रोपी गयी तेल ताड़ फसल में रोपाई के तीन महीने बाद उर्वरकों कि पहली सुराक देनी चाहिए ! उर्वरक की दूसरी खुराक के साथ 50-100 किलोग्राम गोबर की खाद था 100 किलोग्राम हरी खाद प्रति वृक्ष को देनी चाहिए ! प्रति वृक्ष को पंच किलोग्राम नीम कि खली भी दे सकते है।

- तीन साल उम्र तक तेल ताड़ कि पौधों के नर और मादा फूलों को तोडना चाहिए इससे पौधे तने को पर्याप्त चौडाई प्राप्त होने ,ओजस्वी बनने तथा पर्याप्त जड़े विकसित करने में सहायकता मिलती है।

- 10 से 14 मास के ऐसे स्वस्थ पौधे ,जिनकी ऊँचाई 1-1.3 मीटर हो तथा 13 कार्यातमक पत्तियाँ हो। रोपण केलिए प्रयोग करनी चाहिए।